

'खैरथल का विकास गुड़गांव की तर्ज पर होगा, यह मोदी, भूपेन्द्र और भजनलाल की गारंटी है'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने खैरथल में अलवर के भाजपा प्रत्याशी, केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव के समर्थन में आयोजित सभा में कहा

किशनगढ़ बास/खैरथल, 17 अप्रैल (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अलवर से भाजपा प्रत्याशी और भारत सरकार में मंत्री भूपेन्द्र यादव के समर्थन में खैरथल में पुरानी अनाज मंडी परिसर में सभा को संबोधित किया।

इससे पहले प्रत्याशी भूपेन्द्र यादव ने टपुकड़ा, से खैरथल तक 50 किलोमीटर लम्बा रोड शो किया।

■ **भूपेन्द्र यादव ने प्रचार के अंतिम दिन टपुकड़ा से खैरथल तक 50 किलोमीटर लम्बा रोड शो किया। उसके बाद खैरथल में जनसभा की।**

■ **मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि, कांग्रेस चुनाव के बाद घोषणा पत्र भूल जाती है, जबकि हमने जनता से किए वायदे पूरे किए हैं।**

सिंधी समाज के लोगों ने उन्हें राम मंदिर के रूप में स्मृति चिह्न प्रदान किया। रोड शो के दौरान जगह-जगह आतिशबाजी भी की गई।

खैरथल में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पुरानी अनाज मंडी परिसर में सभा को संबोधित करते हुए कहा कि अलवर खैरथल के लोग सीमाव्यवस्था हैं जिन्हें भूपेन्द्र यादव मिले हैं। राजस्थान की सरकार तो विकास करेगी लेकिन



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में मतदान के पहले चरण के चुनाव प्रचार के आखिरी दिन भूपेन्द्र यादव के समर्थन में टपुकड़ा से खैरथल तक 50 किलोमीटर लम्बा रोड शो किया। इस मौके पर महंत बालक नाथ और विधायक रामहेत यादव भी मौजूद थे। रोड शो के दौरान जगह-जगह आतिशबाजी और पुष्प वर्षा की गई।

पालियामेंट तक कांग्रेस साफ हो चुकी है। कांग्रेस की स्थिति ऐसी बनी है, कि हार से बचने के लिए हर किसी से समझौता करने में लगी है। मुख्यमंत्री ने राम मंदिर का भी जिक्र किया व कहा, हम जब कहते थे कि मंदिर वहीं बनाएंगे तो कांग्रेस के लोग कहते थे कि तारीख नहीं बताएंगे। हमने रामलला को भव्य मंदिर में विराजमान किया और तारीख

बताते हुए निमंत्रण भी दिया। इस मौके पर प्रत्याशी भूपेन्द्र यादव ने चुनाव प्रचार के दौरान गांवों व शहरों में मिले जनता के प्यार और आशीर्वाद के प्रति आभार जताया और कहा कांग्रेस वालों ने अलवर में बहुत झूठ बोला है।

सभा को उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व सांसद जगदीशका पाल,

हरियाणा के राव नरवीर सिंह, अलवर प्रभारी व जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत, पूर्व विधायक रामहेत यादव सहित कई नेताओं ने संबोधित किया। इस दौरान भाजपा नेता जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर, जिला चुनाव संयोजक संजय नरुका, जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता, उम्मेद भाया आदि उपस्थित रहे।

पहले चरण के चुनाव का प्रचार बंद

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 17 अप्रैल। लोकसभा की 543 सीटों में से 102 सीटों पर प्रचार बुधवार को बंद हो गया, इन सीटों पर लोकसभा चुनावों के प्रथम चरण में 19 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। प्रथम चरण के तहत मतदान वाले प्रमुख राज्य आसाम, बिहार, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, तमिलनाडु व उत्तराखंड हैं।
ऐसे प्रदेश जिनमें प्रथम चरण में ही लोकसभा चुनाव समाप्त हो जाएंगे, वे हैं- तमिलनाडु (39 सीटें), उत्तराखंड (5), अरुणाचल प्रदेश (2), मणिपुर (2), मेघालय (2), मिजोरम (1), नागालैण्ड (1 सीट), और सिक्किम (1 सीट)। प्रथम चरण में लक्षद्वीप, पुडुचेरी एवं अंडमान व निकोबार द्वीप समूह में भी मतदान पूर्ण हो जाएगा।

■ **आम चुनाव के पहले चरण में 19 अप्रैल को 102 सीटों पर मतदान होगा।**

उत्तर प्रदेश, जिसकी लोकसभा में 80 सीटें हैं इस मामले में सबसे बड़ा राज्य है। प्रथम चरण में मतदान वाले इसके निर्वाचन क्षेत्र सहारनपुर, कैराना, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, नगौना, मुरादाबाद, रामपुर व पीलीभीत हैं।

बंगाल में लोकसभा की 42 सीटें हैं इनमें से प्रथम चरण में मतदान वाले निर्वाचन क्षेत्र-कूचबिहार, अलीपुरद्वार व जलपाईगुड़ी हैं।

महाराष्ट्र में लोकसभा की 48 सीटों में से 5 सीटों पर प्रथम चरण में 19 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। ये सीटें हैं- रामटेक, नागपुर, भंडारा-गोंदिया, गढ़चिरोली-चिमुर्क एवं चन्द्रपुर।

तमिलनाडु की सभा 39 सीटों व उत्तराखंड की सभा 5 सीटों पर प्रथम चरण में वोट डाले जाएंगे। लोकसभा चुनावों की सभी सीटों की वोटों की गिनती 4 जून को की जाएगी।

19 अप्रैल ...

(प्रथम चरण का शेष)
में से 8 लोकसभा सीटों पर 19 अप्रैल को मतदान अपना वोट डालेंगे। ये सीटें अधिकतर पश्चिम उत्तर प्रदेश की हैं इनके नाम सहारनपुर, कैराना, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, नगौना, मुरादाबाद, रामपुर, एवं पीलीभीत हैं।

नियम विरुद्ध अंग प्रत्यारोपण और फर्जी एन.ओ.सी. के मामले में एफ.आई.आर.

मानव अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण प्राधिकारी डॉ. रश्मि गुप्ता ने जवाहर सर्किल थाने में एफ.आई.आर. दर्ज करवाई

जयपुर, 17 अप्रैल। मानव अंगों के नियम विरुद्ध प्रत्यारोपण, इसके लिए फर्जी एन.ओ.सी. जारी किए जाने तथा अंग प्रत्यारोपण में अंतरराष्ट्रीय रैकेट सक्रिय होने की जानकारी सामने आने पर मानव अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण के समुचित प्राधिकारी की ओर से जवाहर सर्किल थाने में एफ.आई.आर. दर्ज करवाई गई है।

उल्लेखनीय है कि, मानव अंग प्रत्यारोपण के लिए रिश्वत लेकर फर्जी एन.ओ.सी. जारी करने की सूचना मिलने पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभा सिंह ने स्वप्रेरित संज्ञान लिया था। उन्होंने एक उच्च स्तरीय बैठक लेकर इस प्रकरण में त्वरित जांच एवं कार्रवाई करने के निर्देश

■ **जांच में सामने आया कि, बांग्लादेश के कुछ निवासियों द्वारा जयपुर के फोर्टिस अस्पताल में किडनी ट्रांसप्लांट करवाया गया और किडनी डोनर व रिसेवर आपस में रिश्तेदार या ब्लड रिलेशन में भी नहीं थे।**

■ **फोर्टिस अस्पताल प्रशासन, आंधराइंजेशन कमेटी या किसी अन्य चिकित्सक द्वारा उन्हें किसी तरह की एन.ओ.सी. पेश करने के लिए भी नहीं कहा गया था।**

दिए थे। विभाग की इस पहल के बाद भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने प्रकरण में शामिल, ए.एम.एस. एवं

ई.एच.सी.सी. और फोर्टिस अस्पताल के कार्मिकों को गिरफ्तार किया था।

समुचित प्राधिकारी डॉ. रश्मि गुप्ता ने बताया कि, चिकित्सा शिक्षा विभाग की इस पहल के बाद समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों से सामने आया कि जयपुर के फोर्टिस अस्पताल में लोगों को लाया जाता था और उनकी किडनी निकालकर उन्हें गुरुग्राम भेज दिया जाता। इस मामले में अंतरराष्ट्रीय स्तर का रैकेट सक्रिय बताया गया। मालवीय नगर सहायक पुलिस आयुक्त आदित्य पूनिया ने इस संबंध में गुरुग्राम जाकर जांच की।

जांच में पाया गया कि, बांग्लादेश

के कुछ निवासियों ने जयपुर के फोर्टिस अस्पताल में किडनी ट्रांसप्लांट करवाया। जांच के अनुसार, किडनी डोनर एवं किडनी रिसेवर आपस में रिश्तेदार या ब्लड रिलेशन में नहीं थे, न ही एक दूसरे को जानते थे, उनके बयानों के अनुसार, फोर्टिस अस्पताल प्रशासन, आंधराइंजेशन कमेटी या किसी अन्य चिकित्सक द्वारा उन्हें किसी तरह की एन.ओ.सी. पेश करने के लिए भी नहीं कहा गया, न ही किडनी डोनर एवं रिसेवर के बीच ब्लड रिलेशन प्रमाणित करने के कागजात मांगे गए। इनसे कुछ खाली कागजों पर हस्ताक्षर करवाए गए तथा फर्जी एन.ओ.सी. बनाने के लिए पैसे भी लिए गए। जांच के अनुसार, इस प्रकरण में शामिल दलाल मुर्तजा अंसारी, फोर्टिस अस्पताल प्रशासन तथा

डॉक्टरों ने मिलकर किडनी रिसेवर एवं किडनी डोनर के साथ धोखाधड़ी कर पैसे हड़पे हैं।

चिकित्सा शिक्षा विभाग के स्वप्रेरित संज्ञान के बाद समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों एवं पुलिस जांच में सामने आए तथ्यों के दृष्टिगत मामले में प्रभावी जांच के लिए बुधवार को समुचित प्राधिकारी ने जवाहर सर्किल थाने में एफ.आई.आर. दर्ज करवाई है। गौरतलब है कि, इससे पहले फर्जी मेडिकल जांचों एवं दस्तावेजों के आधार पर सिलिकोसिस नीति के तहत नियम विरुद्ध लाभ लेने के मामले में भी चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने स्वप्रेरित संज्ञान लेकर प्रकरण को उजागर किया था तथा दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की थी।

भाजपा के ...

(प्रथम चरण का शेष)

मतदान से कुछ ही समय पूर्व भाजपा को परेशान कर रहा है। समृद्ध एवं जमीनों पर सबका विकास का सिद्धांतों को मानने वाला और उसका निष्ठावान वोटर माना जाता रहा है। राजपूतों ने गत 7 अप्रैल को सहारनपुर में एक क्षत्रिय स्वाभिमान महाकुंभ का आयोजन कर अपनी शक्ति का भारी प्रदर्शन किया था। उसके बाद इस समुदाय की कई छोटी सभाएं और पंचायतें हुईं, जिनमें संकल्प लिया गया कि राजपूत उस प्रत्याशी को वोट देंगे, जो भाजपा को हराने में समर्थ होगा। विपक्ष के नेताओं ने शुरुआत में तो यही समझा कि राजपूतों का विरोध प्रदर्शन भाजपा ने ही ऐसे समुदायों का स्वयं के प्रति ध्रुवीकरण करवाने के लिए कराया, जिनका संख्याबल राजपूतों से अधिक है, तथापि, वास्तविक स्थिति के हिसाब से राजपूतों में राजनीतिक प्रतिनिधित्व को लेकर असंतोष बढ़ता जा रहा है, क्योंकि भाजपा जाट व गुर्जर जैसे अन्य समृद्ध भू-स्वामी समुदायों पर ज्यादा फोकस कर रही है। ये समुदाय उत्तर प्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग में आते हैं।

दो बार लगातार ...

(प्रथम चरण का शेष)

हैं। वैभव पिछली बार लोकसभा चुनाव में जोधपुर से गजेन्द्र सिंह शेखावत से हार गए थे। इस बार गहलोलत ने नेते को जिताने में पूरी ताकत लगा दी है। उनके पास अन्य सीटों के लिए जरा भी चक नहीं है। वैभव "नॉन पॉलिटिकल" माने जाते हैं और उनकी स्थिति अच्छी नहीं है। सिर्फ गहलोलत ने अपने प्रयासों से वैभव के प्रचार अभियान को जिंदा रखा हुआ है। कांग्रेस के लिए इस बार जीतना बहुत जरूरी है, वे राजस्थान लोकसभा चुनावों में हार की हैट्रिक नहीं बनाना चाहते हैं। राजस्थान भाजपा में आंतरिक असंतोष भी एक कारण है जो कांग्रेस को फायदा दे सकता है।

गुलाम नबी आज़ाद ने लोकसभा चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान किया

श्रीनगर, 17 अप्रैल। दिग्गज राजनेता गुलाम नबी आजाद ने इस बार लोकसभा चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है। उनकी पार्टी डीपीएपी (डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी) ने अनंतनाग-राजौरी सीट से उन्हें उम्मीदवार बनाया था। मगर अब उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया है। गुलाम नबी आजाद ने बुधवार को अनंतनाग में एक बैठक में यह घोषणा की। 2 अप्रैल को पूर्व केंद्रीय मंत्री आजाद को अनंतनाग-राजौरी सीट से चुनाव लड़ने के लिए नामांकित किया गया था।

इससे पहले आजाद की पार्टी के प्रवक्ता सलमान निजामी ने उनके चुनाव लड़ने को लेकर एक्स पर पोस्ट किया था। इस पोस्ट में निजामी ने लिखा, "डीपीएपी के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद साहब अनंतनाग-राजौरी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे।"

मोदी साथ राजस्थान

मोदी जी की हर गारंटी होगी साकार

फिर इस बार अपनी मोदी सरकार

राजस्थान में विकास के प्रमुख बिन्दु

- 🌸 संशोधित (ERCP) - यमुना जल समझौते से राजस्थान को मिला भरपूर पानी
- 🌸 450 रुपये में गैस सिलेंडर
- 🌸 अन्नदाता को राहत: गेहूं का MSP 2275 से बढ़कर 2400 रुपये
- 🌸 युवाओं का भविष्य सुरक्षित: पेपर लीक पर SIT, 15 से अधिक केस दर्ज, 90 से अधिक गिरफ्तारी, कड़ी निगरानी
- 🌸 पीएम किसान सम्मान निधि के तहत राशि 6000 रुपये से बढ़ाकर 8000 रुपये
- 🌸 महिला सुरक्षा व सशक्तिकरण: पुलिस डेस्क, एंटी रोमियो स्कवाड, सीसीटीवी विस्तार, आर्थिक सहायता
- 🌸 अयोध्या: 3000 तीर्थ यात्रियों को श्री राम मंदिर दर्शन की व्यवस्था
- 🌸 अवैध खनन पर प्रहार: हजारों मामले दर्ज, बड़ी मात्रा में खनिज की जब्ती, सैकड़ों FIR

कमल का बटन दबाएं

भाजपा को जिताएं

जन-जन की यही पुकार, अबकी बार 400 पार

भारतीय जनता पार्टी, राजस्थान द्वारा जारी